STD 10 HINDI

Online class No: 28 (9- 1- 2021)

इकाई - चार

पाठ का नाम : दिशाहीन दिशा

निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें:

1) लेखक को थर्ड क्लास के डिब्बे में कहाँ की सीट मिल गई?

उत्तर :लेखक मोहन राकेश को ऊपर की सीट मिल गई थी।

2) लेखक ने कब यात्रा की ?

उत्तर :सन् उन्नीस सौ बावन दिसंबर पच्चीस को लेखक ने यात्रा की।

3) वह बडी बात होती है।यहाँ बडी बात क्या है?

उत्तर : थर्ड क्लास के डिब्बे में ऊपर की सीट बिस्तर बिछाने को मिल जाए तो वह बडी बात होती है।

4) मोहन राकेश कहाँ की ओर जा रहे थे ?

उत्तर : मुंबई की ओर ।

5) मुंबई तक की यात्रा में कोई असुविधा नहीं होगी। क्यों ?

उत्तर : रेलगाडी में लेखक को ऊपर की सीट मिल गई थी। वे रात को ठीक तरह से सो सकेंगे। इसलिए उन्होंने कहा कि यात्रा में कोई असुविधा नहीं होगी।

6) भोपाल ताल क्या है?

उत्तर : यह मध्यप्रदेश के भोपाल शहर में मौजूद बडा तालाब है।

7) अब्दुल जब्बार कौन है?

उत्तर : बूढा मल्लाह

8) बूढा मल्लाह क्या कर रहा था।?

उत्तर :बूढा मल्लाह अब्दुल जब्बार गजल सुना रहा था।

9) रात आई तो लेखक ने क्या किया?

उत्तर :रात आई तो लेखक मोहन राकेश भोपाल ताल की नाव में लेटे मल्लाह अब्दुल जब्बार से गजलें सुन रहे थे।

10) बूढे मल्लाह का नाम क्या है ?

उत्तर :अब्दुल जब्बार

11) अविनाश कौन है ?

उत्तर : अविनाश लेखका मित्र है और भोपाल से निकलने वाले एक हिंदी दैनिक का संपादक है ।

12) भोपाल स्टेशन पर लेखक से मिलने के लिए कौन आया था ?

उत्तर :भोपाल स्टेशन पर लेखक से मिलने के लिए उनका मित्र अविनाश आया था ।

13) बात करने की जगह अविनाश ने क्या किया ?

उत्तर : अविनाश ने लेखक का बिस्तर लपेटकर खिडकी से बाहर फेंक दिया ।

14) मगर बात करने की जगह, उसने मेरा बिस्तर लपेटकर खिडकी से बाहर फेंक दिया और खुद मेरा सूटकेस लिए हुए नीचे उतर गया ।अविनाश के इस आचरण से मोहन राकेश और अविनाश के बीच की मित्रता का क्या अंदाजा मिल जाता है ?

उत्तर : लेखक मुंबई जा रहे थे। तब मित्र अविनाश उन्हें देखने के लिए भोपाल स्टेशन में आया। स्टेशन पहुँचते ही अविनाश लेखक का विस्तर लपेटकर खिड़की से बाहर फेंक दिया | लेखक का सूटकेस स्वयं लेकर रेलगाड़ी से नीचे उतर गया । एक अंतरंग मित्र ही इस तरह का आचरण कर सकता है। इससे पता चलता है कि लेखक और आविनाश के बीच में अंतरंग मित्रता है।

15) लेखक और मित्र घूमते हुए कहाँ पहुँचे ?

उत्तर : घूमते हुए वे लोग भोपाल ताल के पास पहुँचे ।

16) लेखक और मित्र कितने बजे के बाद घूमने गये?

उत्तर : रात को ग्यारह बजे के बाद ।

17) भोपाल ताल के पास पहुँचते समय मोहन राकेश के मन में कौन सी इच्छा जाग उठी ?

उत्तर : उनके मन में यह इच्छा जाग उठी कि नाव लेकर कुछ देर झील की सैर की जाए ।

अर्थ भेद समझकर पूरा करें ।

मैं एक लंबी यात्रा करूँगा	मैं एक लंबी यात्रा करूँ ।
- - - - - - - - - - - - - - - - - -	मैं सीधे कन्याकुमारी चला जाऊँ।
मैं मुंबई तक की यात्रा करूँगा	- - - - - - - - - - - - - - - - -
- - - - - - - - - - - - - - - - - - -	मेरी यात्रा का अंतिम पड़ाव कन्याकुमारी हो।
अब हम लौट चलेंगे ।	- -

उत्तर:

मैं एक लंबी यात्रा करूँगा	मैं एक लंबी यात्रा करूँ ।
मैं सीधे कन्याकुमारी चला जाऊँगा	मैं सीधे कन्याकुमारी चला जाऊँ।
मैं मुंबई तक की यात्रा करूँगा	मैं मुंबई तक की यात्रा करूँ।
मेरी यात्रा का अंतिम पडाव कन्याकुमारी होगा ।	मेरी यात्रा का अंतिम पडाव कन्याकुमारी हो।
अब हम लौट चलेंगे ।	अब हम लौट चलें।

कठिन शब्दार्थ

ॐ बिस्तर – കിടക്ക

ॐ बिस्तर बिछाना - കിടക്ക വിരിക്കുക

ॐ असुविधा- അസൗകര്യം

ॐ लेटना - കിടക്കുക

- नाव - വള്ളം
- मल्लाह –नाविक, വള്ളക്കാരൻ
- दैनिक –ദിനപത്രം
- लपेटना- ചുരുട്ടുക
- घूमना - ചുറ്റിക്കറങ്ങുക
- झील- തടാകം
- सैर - യാത്ര
- नजर आना- दृष्टिगत होना
- किनारा- തീരം
- भावुकता - സഹൃദയത്വം